सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 30 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 2 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय उसे करना ही चाहिए नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है

-स्वामी विवेकानंद

विपक्ष की सरकारों में चलता था... 7 | यादव बेल्ट के बाद पूर्वांचल के... 3 | बाबा को गोरखपुर में हराएंगे... 2

छठवें चरण का चुनाव आते-आते ठंडे पड़े भाजपा नेता: अखिलेश

भाजपा सरकार में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी, फौज में भी निकालेंगे भर्ती

कल अखिलेश के साथ रैली करेंगी ममता

वाराणसी। आज से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वाराणसी दौरे पर हैं। गुरुवार को ममता बनर्जी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ रैली को संबोधित करेंगी। इस कार्यक्रम में जयंत चौधरी के भी आने की संभावना है। ममता बनर्जी गंगा आरती में भी शामिल होंगी। वे कल ऐढ़े में सुबह 11 बजे संयुक्त रैली को संबोधित करेंगी। साथ ही विधान सभा क्षेत्रों में रोड शो में शामिल होंगी। वाराणसी में सातवें चरण का मतदान सात मार्च को है।

फोटो: सुमित कुमार

» **कोरोना काल में नहीं की किसी की मदद, आईटी सेक्टर में देंगे 22 लाख रोजगार**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जौनपुर में आयोजित जनसभा में भाजपा पर चुन-चुनकर वार किए। उन्होंने कहा कि जौनपुर में भाजपा का खाता नहीं खुलेगा। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शांत पड़े हुए हैं। वे जानते हैं कि यहां उनकी कोई चाल नहीं चलने वाली है। यह पहला चुनाव है जिसमें जनता चुनाव लड़ रही है। यहां इतनी वोटिंग होगी कि धुआं वाले धुआं-धुआं हो जाएंगे। भाजपा के बड़े-बड़े नेता मैदान में हैं। भाजपा का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। छठवें चरण का चुनाव आते-आते भाजपा के नेता ठंडे पड़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि उनकी सरकार बन जाएगी तो किसानों की आय दोगुनी कर देंगे लेकिन आज तक किसी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। किसानों को खाद नहीं मिली। खाद की बोरी से पांच किलो की चोरी हो गयी। इनकी सरकार दोबारा आ गयी तो ये दस किलो की चोरी करेंगे। पेट्रोल-डीजल सौ रूपये के पार हो गया है। ये दोबारा सरकार में आ गए तो दो सौ रुपये हो जाएगा। बाबा मुख्यमंत्री ने कहा कि स्मार्ट फोन बांटे हैं लेकिन यहां के लोगों को स्मार्ट फोन नहीं मिला। ये स्मार्ट फोन भी नहीं चला पाते हैं। जो टेक्नोलॉजी नहीं जानता है वह प्रदेश कैसे चलाएगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनी तो नौजवानों को आईटी सेक्टर में 22 लाख रोजगार देंगे। इसके लिए लोगों को प्रशिक्षित करेंगे। टेक्नोलॉजी की पढ़ाई के लिए व्यवस्था की जाएगी। तीन साल से फौज में भर्ती नहीं निकली। हम गर्मी निकालने वालों से कहना चाहते हैं कि सपा सरकार आएगी तो नौजवानों की भर्ती करने का काम करेगी। गर्मी निकालने वालों की जौनपुर में भाप निकल जाएगी। जौनपुर के लोगों ने भाजपा के नेताओं को मौन कर दिया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भाजपा ने जनता की मदद नहीं की। मजदूरों को पैदल चलकर घर पहुंचना पड़ा। इसमें कई लोगों की जान चली गयी। उनके परिजनों की मदद केवल सपा ने की। भाजपा सरकार में लोगों को दवा, बेड और ऑक्सीजन तक नहीं मिली। सरकार समय पर इलाज उपलब्ध करा देती तो न जाने कितने गरीबों की जान बच जाती। आने वाले समय में यहां के मेडिकल कॉलेज को बेहतर बनाया जाएगा। सपा सरकार में एंबुलेंस चलायी गयी थी उसे भी कबाड़ा कर दिया।

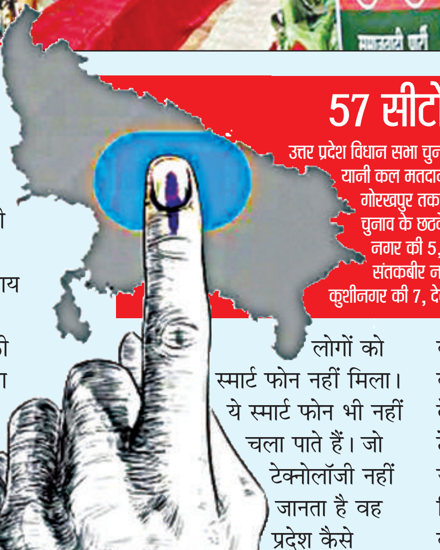

57 सीटों पर मतदान कल

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के छठवें चरण में 10 जिलों की 57 सीटों पर गुरुवार यानी कल मतदान होना है। इस फेज में पूर्वांचल के अंबेडकरनगर से गोरखपुर तक 276 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है। यूपी चुनाव के छठवें चरण में जिन 10 जिलों में मतदान है, उनमें अंबेडकर नगर की 5, बलरामपुर की 4, सिद्धार्थनगर की 5, बस्ती की 5, संतकबीर नगर की 3, महाराजगंज की 5, गोरखपुर की 9, कुशीनगर की 7, देवरिया की 7 और बलिया की 7 सीटें शामिल हैं।

वायु सेना के विमान रवाना, यूक्रेन में फंसे भारतीयों की तेज होगी वापसी

» **खारकीव में रूसी हमले की चपेट में आकर एक भारतीय छात्र की हो चुकी है मौत**

» **अब तक 1,377 नागरिकों को लाया गया वापस काफी संख्या में फंसे हैं भारतीय**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मास्को। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारतीय वायु सेना भी ऑपरेशन गंगा से जुड़ गयी है। अभियान के तहत यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने का काम जारी है। अब वायु सेना के विमान भारतीयों को वापस लाने के लिए गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से रोमानिया और हंगरी के लिए रवाना हो गए हैं। खारकीव में रूसी हमले की चपेट में आने से एक भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा की मौत हुई है। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को लगातार सुरक्षित निकाला जा रहा है। सी-17 ग्लोबमास्टर ने रोमानिया के लिए आज सुबह उड़ान भरी। इसके अलावा कुछ और विमान आज भेजे जा रहे हैं। अब तक 1,377 भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है।

यूक्रेन पर गोलाबारी जारी

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का आज सातवां दिन है। रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव पर लगातार बमबारी कर रही है, मिसाइलें दाग रही है। खारकीव में भी उसके सैनिक पहुंच गए हैं। वहीं यूक्रून के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि जंग के पिछले छह दिनों में यूक्रेनी सेना ने रूस के 6 हजार जवानों को मार गिराया है।

यूक्रेन के साथ है अमेरिका : बाइडेन

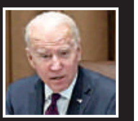

रूस के हमलों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिकी संसद में स्टेट ऑफ द यूनियन को संबोधित किया। जो बाइडेन ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन के साथ खड़ा है। अमेरिका और हमारे सहयोगी सामूहिक शक्ति के साथ नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करेंगे। यूक्रेनियन साहस के साथ लड़ रहे हैं। पुतिन को युद्ध के मैदान में लाभ हो सकता है लेकिन उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्या पर हमला भाजपा की बौखलाहट, हार तय : अखिलेश

» विपक्ष के प्रति साजिशें कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

> भाजपा सरकार का यह दावा खोखला है कि उत्तर प्रदेश गुंडा माफिया मुक्त है, जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपाई गुंडों ने अपनी ही सांसद संघमित्रा मौर्या पर भी जानलेवा हमला किया है।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या पर हुए हमले को भाजपा की बौखलाहट बताया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री पर हमला हारते अति निंदनीय हरकत है। इसका जवाब जनता देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकतंत्र को मजाक बना दिया है। वह विपक्ष के प्रति साजिशें कर रही है। फाजिल नगर से सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्या पर गोड़रिया में रोड शो के दौरान हुआ हमला सुनियोजित तरीके से भाजपा के गुंडों द्वारा किया गया है। उनके काफिले पर कातिलाना हमला किया जाना निंदनीय है। भाजपा और उसके समर्थक अपनी करारी हार देखकर बौखलाहट में होश खोकर हमलावर हो रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि फोन पर मौर्य ने बताया कि उन पर भाजपा द्वारा जानलेवा हमला जानबूझकर कराया गया है। भाजपा सरकार का यह दावा खोखला है कि उत्तर प्रदेश गुंडा माफिया मुक्त है, जबकि वास्तविकता यह है कि भाजपाई गुंडों ने अपनी ही सांसद संघमित्रा मौर्या पर भी जानलेवा हमला किया है। यह भाजपाई लोकतंत्र की कलई खुलने का एक और सबूत है। उन्होंने कहा स्वामी प्रसाद रोड शो में एक दूसरी गाड़ी में सवार थे और रोड शो में आगे निकल गए थे, लेकिन उनकी निजी कार, जिससे वे अक्सर चलते है। वह रोड शो में पीछे थी उस पर जानबूझकर हमला हुआ और ड्राइवर बुरी तरह घायल हो गया। भाजपा के इस हमले के खिलाफ मौर्य गोड़रिया में पडरौना तमकुहीराज रोड पर धरने पर बैठ गए। इसी तरह पिछले दिनों प्रतापगढ़ में कुंडा में जनसत्ता दल के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के दबंग समर्थकों द्वारा सपा प्रत्याशी गुलशन यादव पर हमला किया गया था। उस हमले में भी कई समाजवादी कार्यकर्ता और समर्थक घायल हुए थे और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे। बदायूं से भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य अब खुलकर अपने पिता और फाजिलनगर से सपा उम्मीदवार स्वामी प्रसाद के समर्थन में उतर आई है। हमले के बाद संघमित्रा ने भाजपा पर स्वामी प्रसाद पर हमले का आरोप लगाते हुए दावा किया कि फाजिलनगर से उनके पिता ही चुनाव जीतकर आएंगे। बता दें कि योगी सरकार में मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य ने जनवरी के दूसरे सप्ताह में भाजपा छोड़कर सपा की सदस्यता ग्रहण की थी। भाजपा प्रवक्ता आलोक अवस्थी का कहना है कि फाजिल नगर से स्वामी प्रसाद चुनाव हार रहे है। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद ने हमले को हथकंडा अपनाया है। जहां तक उनकी सांसद बेटी के बयान की बात है तो इस पर पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व विचार करेगा।

बाबा को गोरखपुर में हराएंगे : राजभर

» गठबंधन की जीत के लिए जनता से मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा)के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने देवरिया में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बाबाजी ने 16 पेपर लीक किए हैं, यह लीकेज बंद करनी है। उन्होंने कहा कि बाबा को गोरखपुर में भी हराएंगे। साथ ही प्रदेश की सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछड़ों व दलितों को उनका हक हम दिलाकर ही रहेंगे। उन्होंने कहा कि सपा प्रत्याशी गजाला लारी के लिए कहा कि पिछले चुनाव में इनको हरवाने आए थे, इस बार इन्हें जिताने आए हैं। राजभर जब भाषण देने के लिए मंच पर पहुंचे तो उन्होंने बारी-बारी प्रत्याशियों का हाथ उठाकर लोगों से उनका परिचय कराया फिर उन्हें जिताने की अपील की। इसके बाद उन्होंने अपना भाषण शुरू किया लेकिन इस दौरान वह रामपुर कारखाना की सपा की महिला प्रत्याशी गजाला लारी का हाथ पकड़े ही रहे। काफी देर के बाद जब राजभर ने उनका हाथ नहीं छोड़ा तो वह असहज महसूस करने लगीं फिर उन्होंने अपना हाथ छुड़ा लिया। ओम प्रकाश राजभर, सपा के नेता आरएस यादव और जनवादी पार्टी के संजय चौहान ने जनता से गठबंधन की जीत के लिए लोगों से वोट करने को कहा।

अटल के गढ़ बलरामपुर में भाजपा की परीक्षा!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठे चरण में कल बलरामपुर जिले में होने वाला मतदान भाजपा के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बलरामपुर जिला जनसंघ का गढ़ हुआ करता था। भाजपा वर्ष 2017 में यहां सभी चारों सीटों पर चुनाव जीती थी।

इस बार भी सभी सीटें जीतना उसके लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। किसी समय बलरामपुर अटल बिहारी वाजपेयी का संसदीय क्षेत्र हुआ करता था। बलरामपुर जिले में चार विधानसभा सीटें तुलसीपुर, गैंसड़ी, उतरौला और बलरामपुर हैं। भाजपा ने वर्ष 2017 में जहां चारों सीटों पर कब्जा किया था, वहीं सपा ने वर्ष 2012 में सभी चारों सीटें जीती थी। इस बार भी सभी पार्टियां दम लगाए हुए हैं। सभी सियासी दलों के वरिष्ठ नेता चुनावी सभाएं कर अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हुए हैं। सपा वर्ष 2012 की तरह इस बार भी बलरामपुर की जनता का साथ पाना चाहती है। वर्ष 2017 में भाजपा के पल्टूराम विजयी हुए थे।

बृजभूषण शरण को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह को धमकी भरा पत्र तथा मिर्च पाउडर मिलने के बाद हड़कंप मच गया। करनैलगंज से कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ सांसद प्रतिनिधि ने मुकदमा दर्ज कराया है।

कैसरगंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के प्रतिनिधि सुशील कुमार सिंह पुत्र स्व घनश्याम सिंह निवासी साखीपुर ने थाने पर दी गई तहरीर में बताया कि सांसद बृजभूषण शरण सिंह के नाम एक स्पीड पोस्ट से एक लिफाफा भेजा जो कि 18 फरवरी को सांसद को मिला। लिफाफा खोलने पर उसमें एक धमकी भरा पत्र और 500 ग्राम गल्डी मिर्च का पाउडर मिला। पत्र में लिखा था कि जिस पर मुसलमानों के खिलाफ चुनाव में आपने बयान बाजी की उसकी मैं निंदा करते हुए चेतावनी देता हूं कि जितना संभना हो संभल जाओ तुमको जान से खत्म करने का मैंने मेरी पार्टी के नेताओं ने अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर प्रबंध कर लिया है और जल्द ही इसका अंजाम तुमको दिखाई पड़ेगा।

पांच साल विकास नहीं, सिर्फ विनाश किया : अंसारी

» योगी पर गरजे मुख्तार अंसारी के साहबजादे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाहुबली मुख्तार अंसारी मऊ सदर सीट से पांच बार विधायक रहे हैं लेकिन इस बार वे चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनकी जगह उनके बड़े बेटे अब्बास अंसारी चुनावी मैदान में हैं। ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने मऊ सदर विधानसभा सीट से अब्बास अंसारी को चुनावी मैदान में उतारा है। अब्बास अंसारी का कहना है कि विरासत की बात करने वाले लोग खुद अपने गिरेबान में झांक कर नहीं देखते हैं।

राजनाथ सिंह के सुपुत्र आज विधायक बनकर बैठे हैं। कल्याण सिंह के परिवार के लोग आज भी मंत्री बन कर बैठे हैं। डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बन सकता है, इंजीनियर का बेटा इंजीनियर बन सकता है, पत्रकार के बेटा पत्रकार बन सकता है, तो नेता का बेटा नेता क्यों नही बन सकता। यह तो जनता के हाथ में है, वो जिसको जिताकर भेजेगी वह जाएगा। पिता मुख्तार अंसारी के बारे में उन्होंने कहा मेरे पिता, मऊ आवाम की मोहब्बत हैं। साजिश के तहत वह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। इसलिए हमारे परिवार के बड़े बुजुर्गों ने हमें चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नाइंसाफी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए विधायक को किसी पद पर बैठने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल विकास नहीं, सिर्फ विनाश किया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

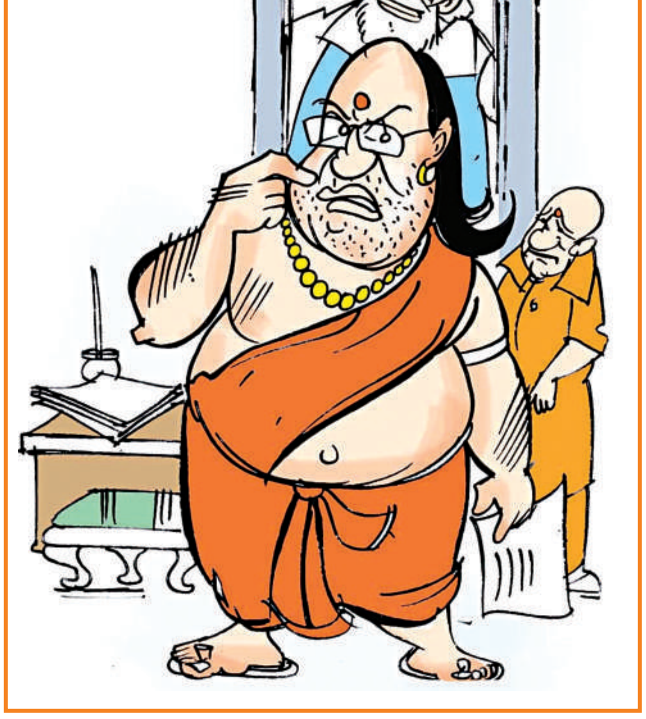

उत्तराखंड में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बदलने के संकेत

» पार्टी के भीतर चल रही खेमेबाजी से परेशान केंद्रीय नेतृत्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अचानक दिल्ली पहुंचे और यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ उनकी मुलाकात को लेकर चर्चाएं गर्म हैं। इससे पहले चूंकि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उत्तराखंड के पार्टी अध्यक्ष समेत कई नेताओं को दिल्ली तलब कर चुका है इसलिए इन बैठकों के सियासी संकेत मिल रहे हैं।

पिछले दिनों से उत्तराखंड बीजेपी में जिस तरह भितरघात के आरोप लगे और इन आरोपों में सीधे तौर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का नाम आया, तो साफ माना जा रहा है कि पार्टी संगठन में बड़ा बदलाव हो सकता है ओर वह भी 10 मार्च को चुनाव नतीजे आने से पहले ही। बीजेपी में मतदान के बाद भितरघात के आरोपों को लेकर बवाल खड़ा हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पर पार्टी के विधायक ही जिस तरह से आरोपों की बौछार कर चुके हैं, उससे साफ तौर पर तय है कि पार्टी के भीतर खेमेबाजी चल रही है और सब कुछ तो दुरुस्त नहीं है। राज्य के नेताओं के एक एक कर दिल्ली जाकर बैठें करने को बीजेपी भले ही मतदान के बाद की समीक्षा बताए लेकिन असल जड़ में सत्ता में वापसी या सत्ता से बाहर होने की सूरत में पार्टी के भीतर होने वाला बदलाव है। धामी के दिल्ली दौरे को सीधे तौर पर उत्तराखंड में पार्टी में फेरबदल के समीकरणों के साथ जोड़कर देखा जा रहा है।

कौन होगा नया प्रदेश अध्यक्ष?

चर्चा है कि सरकार बनने और न बनने, दोनों ही सूरतों में बीजेपी प्रदेश संगठन में बदलाव कर सकती है। सरकार बनी तो मदन कौशिक का मंत्री बनना तय है और नहीं बनी तो भी पार्टी संविधान के मुताबिक 2023 में संगठन के चुनाव होने ही हैं। ऐसे में प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा? पार्टी में इसको लेकर हो रही लॉबिंग चर्चाओं में है।

यादव बेल्ट के बाद पूर्वांचल के सियासी समीकरण साधने उतरेंगे मुलायम सिंह

» करहल के बाद जौनपुर की मल्हनी सीट पर जनता से करेंगे संवाद

» अखिलेश को सीएम बनाने व दोस्त के बेटे के लिए मांगेंगे वोट

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। यूपी चुनाव की सियासी जंग पश्चिम से शुरू होकर अब पूर्वांचल में पहुंच गई है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव अपने बेटे अखिलेश यादव के बाद अब अपने दोस्त व सहयोगी के बेटे के लिए वोट मांगने उतरेंगे। मुलायम सिंह ने अभी तक सिर्फ करहल सीट पर जनसभा की है और अब पारसनाथ यादव के बेटे लकी यादव के लिए जौनपुर की मल्हनी सीट पर करेंगे। पीएम मोदी भी उसी दिन उसी जिले में रैली कर अपना दुर्ग बचाने की कवायद करेंगे तो मुलायम सिंह यादव बेल्ट के बाद पूर्वांचल के सियासी समीकरण साधने उतरेंगे।

सपा संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव तीन मार्च यानी गुरुवार को जौनपुर की मल्हनी सीट पर जनसभा करेंगे। मल्हनी सीट पर मुलायम सिंह के करीबी स्वर्गीय पारसनाथ यादव के बेटे लकी यादव सपा से चुनावी मैदान में हैं। मुलायम की यह रैली छठे चरण के लिए 57 सीटों पर मतदान के दिन होने जा रही है। इस तरह से जौनपुर में मुलायम की रैली से सपा पूर्वांचल की सियासी लड़ाई में बढ़त हासिल करने की कोशिश में है। बता दें कि मुलायम सिंह ने 2017 के चुनाव में भी महज दो रैली की थीं, जिनमें एक रैली शिवपाल यादव के लिए जसवंतनगर में और दूसरी जनसभा परसनाथ यादव के लिए मल्हनी सीट पर की थी। मोदी लहर के बावजूद यह दोनों सीटें सपा जीतने में कामयाब रही थी। इस बार भी मुलायम सिंह यादव की सूबे में महज दो ही रैली रखी गई हैं, जिसमें एक अखिलेश की करहल सीट और दूसरी लकी यादव की मल्हनी सीट। इन दोनों जगह पर मुलायम सिंह यादव की रैली कराने के पीछे सपा की सोची समझी रणनीति भी मानी जा रही है।

मल्हनी सीट पर लकी बनाम धनंजय सिंह

सपा ने लकी यादव को एक बार फिर से मल्हनी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है, जहां बीजेपी, कांग्रेस और बसपा से भी प्रत्याशी हैं, लेकिन यहां असल मुकाबला माफिया धनंजय सिंह से माना जा रहा है। धनंजय सिंह इस बार जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। लंबे समय तक फरार रहने के बाद धनंजय सिंह ने चुनाव लड़ने के लिए ही नामांकन से ठीक एक दिन पहले जौनपुर कोर्ट में सरेंडर किया था। धनंजय सिंह को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनकी पार्टी आक्रामक रुख अपनाए हुए है और योगी आदित्यनाथ पर संरक्षण देने का आरोप लगाए जा रहे हैं। वहीं अब लकी यादव की सीट पर अखिलेश यादव के साथ-साथ मुलायम सिंह यादव भी चुनावी प्रचार में उतर रहे हैं, जिससे मल्हनी सीट और जौनपुर ही नहीं बल्कि पूर्वांचल को सियासी संदेश देने की रणनीति मानी जा रही है।

2017 जैसे सियासी हालात नहीं

इस बार पूर्वांचल में 2017 जैसे सियासी हालात नहीं हैं बल्कि चुनौतियां हैं। पांच साल पहले सरकार बनाते वक्त पूर्वांचल के लोगों ने जो बीजेपी से उम्मीदें की थीं वह कितनी कसौटी पर खरी उतरी है, उसके आकलन के अनुसार ही इस बार मतदान होगा। यही वजह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूर्वांचल पर पूरा फोकस कर रखा है।

पूर्वांचल में सपा को बड़ी जीत दिलाने का मकसद

मुलायम सिंह ने करहल सीट पर चुनावी प्रचार में उतर पूरी यादव बेल्ट को सियासी संदेश दिया था, जहां 2017 में बीजेपी ने विपक्ष का सफाया कर दिया था इसीलिए अखिलेश यादव अपने पुराने दुर्ग को बीजेपी से छीनने के लिए उतरे। वहीं अब मुलायम सिंह के मल्हनी सीट पर प्रचार कर लकी यादव के पक्ष में माहौल को बनाने के दांव के साथ पूर्वांचल में सपा को बड़ी जीत दिलाने का मकसद है। दरअसल, जौनपुर के एक तरफ अखिलेश यादव का संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ है तो दूसरी तरफ पीएम मोदी का संसदीय क्षेत्र काशी है। इस पूरे इलाके में सातवें चरण में चुनाव है, जहां पीएम मोदी 3 मार्च से ही कैंप करने जा रहे हैं। मोदी भी तीन मार्च को ही जौनपुर में रैली करने जा रहे हैं। मोदी की रैली जफराबाद के जीआईजी मैदान में होगी। ऐसे में सपा ने भी मुलायम सिंह यादव की जौनपुर में उसी दिन रैली रखकर बड़ा सियासी दांव चला है।

पारसनाथ यादव और मुलायम सिंह के रिश्ते

मुलायम सिंह ही पारसनाथ यादव को सियासत में लेकर आए थे और पूर्वांचल में ओबीसी के कद्दावर नेता के तौर पर स्थापित किया था। ऐसे में मुलायम के साथ मरते दम तक कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। पारसनाथ यादव अपना पहला विधानसभा चुनाव 1985 में जौनपुर की बरसठी सीट से लोकदल से जीते थे। इसके बाद वह 1989 में जनता दल से विधायक बने और 1993 में सपा से जीत दर्ज की। 1996 और 2002 में मड़ियाहूं से चुने गए और 2012-2017 में भी मल्हनी सीट से जीत दर्ज की थी। मल्हनी सीट पर पारसनाथ यादव का लंबे समय से कब्जा रहा है। 2020 में पारसनाथ यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनके बेटे लकी यादव को सपा ने प्रत्याशी बनाया था। प्रदेश में एक साथ हुए सात उपचुनावों में सपा को केवल इसी सीट पर सफलता मिली थी। लकी यादव ने बाहुबली नेता पूर्व सांसद धनंजय सिंह को हराकर अपने पिता की विरासत को बरकरार रखा था।

पीएम मोदी काशी में करेंगे कैंप

यूपी में अब पूर्वांचल की 111 विधानसभा सीटों पर अगले दो चरणों में चुनाव है। ऐसे में पीएम मोदी तीन से पांच मार्च को चुनाव प्रचार का शोर थमने तक काशी में कैंप कर रहे हैं। काशी से लगे हुए आसापास के जिलों में चुनाव प्रचार का मोर्चा संभालेंगे। 2017 के विधान सभा चुनाव के दौरान भी पीएम मोदी ने इसी तरह कैंप किया था और पूर्वांचल का सियासी माहौल ही बदल दिया था। 2017 के जीत के फॉर्मूले पर मोदी फिर से पूर्वांचल की जंग को फतह करने के लिए उतर रहे हैं ताकि उत्तर प्रदेश में दोबारा सत्ता पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखा जाए।

निर्णायक मोड़ पर पहुंचा चुनाव, सियासी दलों ने झोंकी ताकत

छठवें और सातवें चरण में पूर्वांचल की 111 सीटों पर होगा चुनाव

सपा, कांग्रेस और बसपा ने भी बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छठे चरण की 57 और सातवें चरण की 54 सीटों के साथ ही प्रदेश की बची 111 विधान सभा सीटों का चुनाव प्रदेश के नए सिकंदर का भाग्य लिखेगा। लिहाजा भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस ने पूरा जोर लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल के नेताओं ने पूर्वी उत्तर प्रदेश का रुख कर लिया है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस के रणनीतिकारों को इन दोनों चरणों में दर्जन भर सीटें जीत लेने का भरोसा है जबकि बसपा प्रमुख मायावती के लिए भी यह चरण काफी अहम है।

भाजपा के उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री सुनील बंसल हर रोज और लगातार विधान सभा सीट के प्रभारियों, नेताओं, प्रत्याशियों से फीडबैक लेने में जुटे हैं। मंत्री पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी ने उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के आखिरी दो चरणों की लड़ाई के लिए कमर कस ली है। भाजपा के शीर्ष नेता भी मान रहे हैं कि लड़ाई कांटे की है। भाजपा का दावा है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी फिर सरकार बना रही है। इस बार के चुनाव में सोशल मीडिया भी खूब राजनीतिक रंग में रंगा है। भाजपा, सपा, बसपा, और कांग्रेस के पक्ष में सोशल मीडिया पर जमकर पोस्ट चलाई जा रही हैं। छठे चरण में 10 जिलों की 57 विधान सभा सीटों का चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ में होने जा रहा है। इसमें दर्जनों विधान सभा सीटों पर मुख्यमंत्री के प्रिय उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव लड़कर विधायक बनने के लिए पहली बार मुख्यमंत्री भी चुनावी मैदान में हैं और उनकी सीट को चुनावी समर में फंसा देने के इरादे से अखिलेश यादव ने पूरा जोर लगा दिया है। गोरखपुर शहरी सीट से भाजपा नेता उपेन्द्र दत्त शुक्ला की पत्नी सुभावती शुक्ला मुख्यमंत्री के खिलाफ मैदान में हैं। बसपा के ख्वाजा समसुद्दीन, भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद भी ताल ठोंक रहे हैं। कांग्रेस की चेतना पांडे योगी को चुनौती दे रही हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के लिए भी गोरखपुर अहम है। बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, अंबेडकरनगर, देवरिया में से तीन दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां परोक्ष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इसी चरण में भाजपा को छोड़कर समाजवादी पार्टी में आए स्वामी प्रसाद मौर्या का भी इम्तिहान हो जाएगा। स्वामी प्रसाद मौर्य को काफी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रचार के लिए बबलू राय, युवा हिन्दू वाहिनी के नेताओं तथा पदाधिकारियों ने पूरी ताकत झोंक दी है। कुल मिलाकर मकसद योगी की जीत के अंतर को ऐतिहासिक बनाना है।

बरकार रहेगा मठ का परचम!

गोरखपुर की मुख्य पहचान गीता प्रेस और गोरक्ष पीठ (गोरखनाथ मंदिर) है। 60 के दशक से मंदिर चुनाव में कभी नहीं हारा है। इस बार मंदिर के महंत, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली बार विधायकी का चुनाव लड़ने के लिए मैदान में हैं। गोरखपुर ब्राह्मण बहुल सीट है। शहरी सीट पर 60-65 हजार ब्राह्मण मतदाता हैं। ठाकुरों की संख्या 28-35 हजार है। वैश्य समाज ठीक-ठाक संख्या में है लेकिन लगातार कई बार के विधायक राधामोहन दास अग्रवाल का टिकट कटने, उनके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से समीकरण न होने का खतरा भी है। हालांकि योगी के लिए अच्छी बात यह है कि ब्राह्मण वोट कुछ हद तक कांग्रेस प्रत्याशी चेतना पांडे को भी मिल सकता है। बसपा ने ख्वाजा शमशुद्दीन को उतारा है। वह अल्पसंख्यक मतों में सेंध लगाएंगे। चंद्र शेखर आजाद दलित मतों में बंटवारा कर सकते हैं। इन सबके बाद भी गोरखपुर शहरी सीट पर इस बार मंदिर के महंत और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के लिए चुनौती मानी जा रही है। इस सीट को बड़े अंतर से जीत लेने के लिए भाजपा ने खास प्लान तैयार किया है। अमित शाह गोरखपुर को लेकर संवेदनशील हैं और प्रधानमंत्री मोदी प्रचार करके योगी की जीत का अंतर बड़ा करने के उपाय पर गंभीर हैं।

जातिवाद चलेगा या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण?

छठवें और सातवें चरण का चुनाव जातिवाद या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की भी प्रयोगशाला होगा। सातवें चरण में 9 जिलों की 54 विधान सभा सीटों पर 2017 के विधानसभा चुनाव को छोड़ दें,तो जातिगत समीकरण चरण 90 के दशक से हमेशा प्रभावी रहे हैं। आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र में इसका खासा प्रभाव दिखाई देता है। छठे चरण में बलिया, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, अंबेडकर नगर, सिद्धार्थनगर में इसकी बानगी देखने को मिलती है। देखना यह है कि ध्रुवीकरण चलेगा या जातिवाद।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युद्ध की त्रासदी और मानवाधिकार

"यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण हालात बेहद खराब होते जा रहे हैं। यूक्रेन में हर ओर तबाही का मंजर दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक युद्ध में अब तक 136 नागरिकों की मौत हो चुकी है, इसमें 13 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा चार सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह संख्या रोज बढ़ रही है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध में न तो रेडक्रास कहीं दिख रहा है न मानवाधिकार संगठन।

यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण हालात बेहद खराब होते जा रहे हैं। यूक्रेन में हर ओर तबाही का मंजर दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक युद्ध में अब तक 136 नागरिकों की मौत हो चुकी है, इसमें 13 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा चार सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह संख्या रोज बढ़ रही है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध में न तो रेडक्रास कहीं दिख रहा है न मानवाधिकार संगठन। इसके कारण लोगों का जीवन नर्क से बदतर हो चुका है। सवाल यह है कि तमाम प्रतिबंधों के बावजूद रूस यूक्रेन को तबाह करने पर क्यों तुला है? रूसी सेना रिहायशी इलाकों को निशाना क्यों बना रही है? आखिर निर्दोष लोगों की मौतों का जिम्मेदार कौन है? प्रतिबंधों की जगह अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा कूटनीति प्रयासों से युद्ध को रोकने की पहल क्यों नहीं की जा रही है? क्या आने वाले दिनों में युद्ध का दायरा और बढ़ेगा? क्या दुनिया परमाणु युद्ध के मुहाने पर पहुंच चुकी है?

सैन्य संगठन नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए रूस ने यूक्रेन के खिलाफ जो युद्ध छेड़ा है, वह बेहद खतरनाक होता जा रहा है। वह यूक्रेन को घुटने पर लाने के लिए न केवल सैन्य ठिकानों पर बमबारी कर रहा है बल्कि रिहायशी इलाकों को भी टारगेट कर रहा है। राजधानी कीव पर हमला करने के लिए भारी संख्या में रूसी सैनिक सीमा पर पहुंच चुके हैं। यूक्रेनियन सैनिक भी रूस की सेना को जवाब दे रहे हैं लेकिन यह नाकाफी है। भले ही विश्व के तमाम देशों ने सैन्य साजो-सामान की आपूर्ति का वादा कर रहे हो लेकिन रूसी सेना की घेराबंदी के दौरान इन सामानों को यूक्रेनियन सैनिकों तक पहुंचना नामुमकिन है। हालांकि प्रतिबंधों का असर रूस पर असर दिखने लगा है। वहां दवा और अन्य जरूरी सामानों की किल्लत होने लगी है। इसके अलावा उसकी मुद्रा में गिरावट दर्ज की गयी है। लोग बैंकों से पैसा निकालने लगे हैं। बावजूद इसके रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन को घुटने पर लाने पर अड़े हैं और इसका खामियाजा निर्दोष यूक्रेनियन और अन्य देशों के नागरिकों को उठाना पड़ रहा है। इस हमले में भारत का भी एक नागरिक मारा जा चुका है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध के दौरान रेडक्रास की कोई टीम यूक्रेन में कहीं नहीं दिखायी पड़ रही है। दूसरी ओर नाटो, यूरोपियन संघ और अमेरिका समस्या का कूटनीतिक हल निकालने की जगह आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। यह स्थितियां बेहद खराब हैं क्योंकि युद्ध को प्रतिबंधों के जरिए नहीं बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिए ही रोका जा सकता है। संवाद ही समस्या का समाधान है और यदि ऐसा नहीं हुआ तो दुनिया एक और महायुद्ध की गवाह बनेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुकदमों के निपटारे में तेजी की जरूरत

अनूप भटनागर

शीर्ष अदालत के कड़े रुख के बावजूद उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधान सभा चुनावों के दौरान संदिग्ध छवि वाले ऐसे व्यक्तियों को उम्मीदवार बनाने का सिलसिला जारी रहा, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों के आरोप में मुकदमें लंबित हैं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को राजनीतिक दल का प्रत्याशी बनाने का एक ही मकसद नजर आता है और वह है किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना और स्थानीय स्तर पर अपना दबदबा कायम रखना।

न्यायपालिका ने देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धन और बाहुबल के वर्चस्व से मुक्त कराने के इरादे से समय-समय पर अनेक फैसले दिए। इनमें दो साल से अधिक की सजा पाने वाले पीठासीन सांसदों और विधायकों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म होने जैसी न्यायिक व्यवस्था भी शामिल रही है। अब ऐसे दोषी नेताओं को पूरी उम्र के लिए चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित करने की मांग बढ़ रही है और इसे लेकर उच्चतम न्यायालय में 2016 से एक जनहित याचिका भी लंबित है। इस याचिका पर कोर्ट लगातार महत्वपूर्ण व्यवस्था दे रहा है और उसके ही हस्तक्षेप का नतीजा है कि राज्यों में इन माननीयों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों का भी गठन हुआ है। लेकिन, विशेष अदालतों में लंबित मुकदमों की तेजी से सुनवाई नहीं होने की वजह से ऐसे मुकदमों की संख्या बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित 4984 मुकदमों में से 1899 मुकदमें पांच साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। कानून निर्माताओं के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों का तेजी से निपटारा नहीं होने की वजह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की भूमिका बढ़ती जा रही है। वर्तमान और पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की तेजी से सुनवाई और ऐसे मामलों में एक साल के भीतर फैसला सुनिश्चित करने के शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप से विशेष अदालतें भी गठित की गईं लेकिन ऐसा लगता है कि शीर्ष अदालत के प्रयासों को अपरिहार्य कारणों से अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही है।

न्यायालय को सौंपी गई एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर, 2018 में माननीयों के खिलाफ 4110 मुकदमें लंबित थे जो अक्टूबर, 2020 में बढ़कर 4,859 हो गए थे। यह इस बात का संकेत है कि संसद और विधानमंडलों में ऐसे व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है, जिनके खिलाफ अदालतों में आपराधिक मुकदमें लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय की सख्ती के बावजूद राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों को टिकट देने में तरजीह दे रहे हैं, जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमें लंबित हैं। दलील यह है कि ऐसे उम्मीदवारों को अभी तक अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है। स्थिति यह रही कि इन राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोपों के दौरान होड़ लगी रही कि प्रतिद्वंद्वी की शर्ट से ज्यादा साफ हमारी शर्ट है। चुनाव में आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों को टिकट देने की एक वजह ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबित मुकदमों की तेजी से सुनवाई नहीं होना है। स्थिति यह है कि सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की प्रगति पर निगाह रख रही शीर्ष अदालत से बार-बार गुहार लगाई जा रही है कि माननीयों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों की सुनवाई तेज की जाए। साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे माननीयों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों को अपनी जांच तेजी से पूरा करना सुनिश्चित कराया जाए। केन्द्रीय जांच ब्यूरो के पास सांसदों और विधायकों की संलिप्तता वाले 37 मामलों की जांच लंबित है। इनमें 17 पीठासीन और पूर्व सांसद तथा 17 वर्तमान और पूर्व विधायक जांच के घेरे में हैं। इसी तरह, प्रवर्तन निदेशालय के पास माननीयों से संबंधित 48

मामलों की जांच लंबित थी लेकिन अब केन्द्र और राज्यों के बीच चल रही खींचतान की वजह से भी केंद्रीय जांच एजेंसियों को अपना काम तेजी से निपटाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम आठ राज्यों ने डीएसपीई कानून की धारा छह के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो को अपने यहां जांच के लिए पहले दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। इसका नतीजा यह है कि भ्रष्टाचार के 150 से अधिक मामलों की जांच अधर में है। महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल, केरल और मिजोरम द्वारा सहमति वापस लेने के कारण इन राज्यों को जांच के लिए भेजे गए 150 से अधिक मामले लंबित हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश की राजनीति को आपराधिक तत्वों से मुक्त कराने के प्रयासों में राज्य सरकारें भरपूर सहयोग करेंगी।

डिजिटल इंडिया और क्रांतिकारी परिवर्तन का दौर

प्रहलाद सबनानी

वैसे डिजिटल इंडिया का विजन तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में ही बना लिया था परंतु डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत एक जुलाई 2015 को हुई। इनके बाद के 7-8 वर्षों के दौरान भारत ने डिजिटलीकरण के क्षेत्र में काफी प्रगति की है एवं आज भारत में 83 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट एवं स्मार्ट फोन से जुड़े हुए हैं। इस प्रकार भारत ने एक नए डिजिटल युग में प्रवेश कर लिया है। शुरुआती दौर में जरूर कुछ समस्याएं रहीं जैसे तकनीकि, उच्च लागत, कनेक्टिविटी और प्लेटफार्म से संबंधित, आदि। अब इन समस्याओं का हल निकाल लिया गया है एवं कम लागत पर इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ी है।

यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस इसका सबसे अच्छा उदाहरण है, जिसके माध्यम से आज प्रतिदिन 100 करोड़ से अधिक बैंकिंग व्यवहार करने की ओर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस सार्वजनिक प्लेटफार्म का सारे बैंकिंग संस्थान उपयोग कर रहे हैं। शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी डिजिटल इंडिया ने कमाल ही कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से एक ऐप बनाए जाने पर विचार किया जा रहा है ताकि कोई भी व्यक्ति कहीं भी अपना इलाज आसानी से करा सके। गावों में भी डिजिटल इंडिया पर कार्य किया जा रहा है। अब ड्रोन के लिए नए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग हो रहा है एवं ड्रोन के माध्यम से कृषि का किस प्रकार सहयोग किया जा सकता है इस पर भी कार्य हो रहा है। ड्रोन के माध्यम से बीजों का छिड़काव आदि कार्य किए जाने पर भी विचार किया जा रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2022 को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए पेपरलेस यानी डिजिटल बजट भारतीय संसद में पेश किया। इस आम बजट के माध्यम से डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई बड़े कदमों का ऐलान किया गया है जिसमें डिजिटल बैंकिंग को लेकर किया गया एक बड़ा ऐलान भी शामिल है। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकों की स्थापना करेंगे। इन जिलों में डिजिटल बैंकिंग इकाइयां भी स्थापित की जाएंगी। साथ ही 1.5 लाख डाकघरों में 100 फीसदी कोर बैंकिंग प्रणाली पर ले आई जाएगी। इससे नेट और मोबाइल बैंकिंग एवं एटीएम के माध्यम से ग्राहकों को अपने खातों तक पहुंच मिल जाएगी। इस प्रकार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आत्मनिर्भर डिजिटल इंडिया का डिजिटल बजट पेश किया गया है।

आत्म निर्भर भारत भी डिजिटल इंडिया से ही बन सकता है। देश में शीघ्र ही 5जी की शुरुआत किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं इसके प्रारम्भ होने के साथ ही भारत एक नए युग में प्रवेश कर जाएगा। भारत में 6.50 लाख से अधिक गांव हैं एवं 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें हैं। आजादी के बाद से भी आज तक केवल 50,000 गावों में ही बैंकों की शाखाएं पहुंच पाई हैं। इस प्रकार पुराने तरीकों से तो गावों तक बैंकिंग एवं अन्य सुविधाएं पहुंचा नहीं पा रहीं हैं इसलिए गांवों में बैंकिंग एवं अन्य सुविधाएं पहुंचाने की दृष्टि से भी डिजिटल इंडिया का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। डिजिटल इंडिया में यूपीआई के माध्यम से अब इन घरों तक बैंकिंग एवं अन्य सुविधाएं पहुंचा दी गईं हैं। इससे गांवों में निवास कर रहे बुजुर्गों को भी बहुत सुविधा हुई हैं। इसी तरह शिक्षा का क्षेत्र भी है जहां ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। कोरोना के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में यदि डिजिटल इंडिया कार्यक्रम को नहीं अपनाया जाता तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि आज भारत में सारी शिक्षा व्यवस्था किस स्तर पर होती। अब तो केंद्र सरकार द्वारा एक चैनल एक क्लास को विकसित करने की बात वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए प्रस्तुत किए गए आम बजट में की गई है। इससे ग्रामीण इलाकों तक अच्छे शिक्षकों की पहुंच बनेगी एवं गावों में भी बच्चे उच्च एवं अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। वित्तीय वर्ष 2022-23 के आम बजट में एक डिजिटल यूनिवर्सिटी बनाए जाने की घोषणा भी की गई हैं। इसी प्रकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी क्रांति लाई जा रही है। डॉक्टर अपनी विशिष्ट सेवाएं ऑनलाइन प्रदान कर रहे हैं इसे कोविड के समय पर सफलतापूर्वक चलाया गया है। ई-संजीवनी कार्यक्रम को चालू किया गया है जिसके अंतर्गत डॉक्टर ऑनलाइन मरीजों को देखकर अपनी राय दे सकते हैं। टेली मेडिसिन कार्यक्रम पर भी जोर दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5जी मोबाइल सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी होगी। इस तरह शीघ्र ही निजी दूरसंचार कम्पनियां देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत कर पाएंगी। 5जी सुविधा शुरू होने के बाद 5जी स्मार्ट फोन की कार्यक्षमता में अतुलनीय सुधार होगा। देश भर में इंटरनेट यूजर्स को हाई स्पीड नेट सर्फिंग की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। अब भारत अपनी डिजिटल करेंसी बनाने जा रहा है। डिजिटल करेंसी को लागू करने से फिजीकल करेन्सी की कम आवश्यकता होगी इससे देश को फिजीकल करेंसी के प्रिंटिंग पर खर्च की जाने वाली भारी राशि की बचत होगी। पूरे विश्व के बड़े राष्ट्रों में भारत पहला राष्ट्र बनने जा रहा है जिसकी अपनी डिजिटल करेंसी होगी। यह एक क्रांतिकारी सोच है। पोस्ट ऑफिस की समस्त शाखाओं को भी कोर बैंकिंग सोल्यूशन नामक डिजिटल प्लेटफोर्म पर लाया जा रहा है। इससे भी भारत में क्रांतिकारी परिवर्तन आएंगे। इससे पोस्ट ऑफिस की इन शाखाओं की ऋण प्रदान करने की क्षमता बढ़ेगी।

लंबा करना चाहती हैं बालों को तो अपनायें घरेलू नुस्खे

खान-पान, अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण और गलत हेयर केयर की वजह से कई बार बालों का बढ़ना बंद हो जाता है। ऐसे में लाइफ स्टाइल में बदलाव लाकर आप बालों की ग्रोथ को बढ़ा सकते हैं। लेकिन अगर आप अपने बालों को जल्दी बढ़ाना चाहते हैं तो अपने हेयर केयर रूटीन में कुछ नेचुरल चीजों को शामिल कर ऐसा कर सकते हैं। ये नेचुरल इंग्रेडिएंट्स औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं जो बालों को अंदर से पोषण देने के साथ-साथ इनकी ग्रोथ भी बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे में हम यहां आपको बताते हैं कि आप बालों को तेजी से लंबा करने के लिए किन कारगर घरेलू उपायों की मदद ले सकते हैं।

तिल तेल और मेथी दाने

तिल का तेल और मेथी दानें दोनों ही बालों को पोषण देने का काम करते हैं। ऐसे में इन दोनों से तैयार हेयर मास्क की मदद से आप बालों की ग्रोथ को कई गुना बढ़ा सकते हैं। इसे बनाने के लिए मेथी सीड्स को ड्राई रोस्ट कर लें और उसका पाउडर बना लें। अपने बालों की लेंथ के अनुसार एक बाउल में मेथी पाउडर लें और उसमें 1 चम्मच तिल का तेल मिक्स करें। ध्यान रहे कि तेल अधिक ना हो। कुछ देर तक मसाज करते हुए एक्सफोलिएट करने के बाद बालों को एक आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें और फिर हेयर वॉश कर लें। हफ्ते में 2 बार इसे आजमाएं।

प्याज का रस

बाल जल्दी-जल्दी बढ़ें इसके लिए आप प्याज का रस लगा सकते हैं। इसमें मौजूद सल्फर बालों के लिए काफी अच्छा होता है। मिक्सी में प्याज पीस लें और रस को मलमल के कपड़े से छान लें। इस रस को रूई की मदद से बालों के स्कैल्पर पर लगाएं।

एलोवेरा जेल

बालों की ग्रोथ के लिए एलोवेरा जेल काफी फायदेमंद होता है। आप इसे हेयर पैक और ऑयलिंग की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे लगाने के लिए आप हफ्ते में तीन बार एलोवेरा जेल रात में लगाकर सो जाएं और सुबह पानी से बालों को धो लें। चाहें तो नहाने के 2 घंटे पहले भी स्कैल्प में एलोवेरा जेल लगा सकते हैं।

आंवला का जूस

विटामिन सी और आयरन से भरपूर आंवला जूस नेचुरल इंग्रेडिएंट से भरा है। यह बालों को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। इसके लिए आप आंवला जूस को बालों और स्कैल्प में अप्लाई करें और कुछ देर के लिए छोड़ दें। आधे घंटे के बाद बालों को धो लें।

कोकोनट मिल्क

कोकोनट मिल्क में ऑलिव ऑयल मिक्स करें और उससे स्कैल्प की मसाज करें। बचे हुए मिश्रण को बालों के ऊपर लगाएं। इससे बाल लंबे होने के साथ सिल्की और शाइनी भी बनेंगे।

हंसना मना है

टीचर जलेबी फीमेल क्यों है? छात्र- क्योंकि वो टूट जाएगी, लेकिन कभी सीधी नहीं होगी।

इतनी रिसर्च करने के बाद भी कोई ये नहीं पता लगा पाया कि रिश्तेदारों से चाय के लिए पूछो तो बस आधा कप ही क्यों बोलते हैं?

भारत में बच्चे बोर्नविटा से,महिलाएं फेअर एण्ड लवली से और पुरुष रजनीगन्धा से कामयाब होते है। बाकी डिग्री तो सब बेकार की हैं।

गटरू और शटरू दोनों भाई एक ही क्लास में पढ़ते थे। टीचर : तुम दोनों ने अपने पापा का नाम अलग-अलग क्यों लिखा? गटरू- मैडम फिर आप कहोगे नकल मारी है, इसीलिए।

एक महिला वकील के पास जाकर बोली मुझे मेरे पुराने पति से फिर से शादी करनी है। वकील-क्यों अभी आठ दिन पहले ही तो मैंने आप दोनों का तलाक करवाया है। फिर वापस शादी क्यों? महिला-दरअसल वो तलाक के बाद बहुत खुश दिख रहे हैं, और मैं ये बर्दाश्त नहीं कर सकती।

बीवी पति से- सुनो, वो आदमी जो दारू पी कर नाच रहा है ना, मैंने उसे 10 साल पहले रिजेक्ट कर दिया था। पति-बताओ,अभी तक celebrate कर रहा है।

कहानी — टोपी वाला बंदर

एक बार एक टोपियों का व्यापारी अपनी टोपियां बेचने के लिए दूर किसी शहर की और जा रहा था। चलते चलते दोपहर हो गई। वह थक गया था। एक बड़े पेड़ के नीचे उसने अपनी टोपियो की टोकरी अपने कंधे से उतारी और अपने खाने का डिब्बा खोला और भोजन करने लगा। जल्दी तो कोई थी नहीं, इसलिए उसने सोचा क्यों न थोड़ी देर आराम किया जाए। वह व्यापारी वही पेड़ के निचे लेट गया। और जल्द ही गहेरी नींद ने उसे घेर लिया। उसे क्या पता था की वह एक ऐसे पेड़ के नीचे सोया हुआ है, जिसमें ढेरों बंदरों ने अपना ठिकाना बनाया हुआ था। बंदरों ने जब टोकरी में पड़ी हुई रंग बरंगी टोपियां देखी तो उन्होंने टोपियों से खेलने का मन बना लिया वे एक एक करके सभी नीचे आ गए। और सभी ने एक एक टोपी उठा ली और जल्दी ही सभी पेड़ पर चढ़ गए। टोपी वालेकी आंख खुली जैसे ही उसकी नजर खाली टोकरी पर पड़ी उसके पैरों तले से जमीं निकल गयी। वह परेशां हो उठा कि उसकी सारी टोपियो कोई चोरी करके ले गया था। वह चिल्लाया हाय हाय में लुट गया बरबाद हो गया? कौन ले गया मेरी टोपियो को अब मेरा क्या होगा? परंतु जैसे ही उसकी नजर उस पेड़ के ऊपर उठी तो हैरान रह गया। उसकी सारी टोपिया तो बंदरों ने पहन रखी थी। उसने गुस्से से अपने हाथो को ऊपर किया ताकि डरकर बन्दर अपनी टोपिया नीचे फेंक सके परंतु ऐसा कुछ न हुआ। और बन्दर भी उसकी नकल करके उसे चिढ़ा रहे थे। इससे उसके दिमांग में एक तरकीब सूझी। पहले उसने अपने हाथो को हिलाया उसी तरह बन्दर भी अपने हाथ हिलने लगे। फिर वो ऊपर नीचे कूदने लगा बन्दर तो नकलची होते ही है। बन्दर भी ऊपर नीचे कूदने लगे, फिर उसने अपनी टोपी सर से उतारी और जोर से उसे जमीं पर फैक दिया। फिर क्या था। सभी बंदरों ने उसकी नकल की और अपनी अपनी टोपी को उन्होंने भी जमीन पर पटक दिया। टोपी वाले ने सारी टोपियां इकट्ठी की और वापस अपनी टोकरी में डाल दी और फिर अपने रस्ते चल पड़ा।

- शिक्षा संकट आने पर ठंडे दिमांग से सोचो और समस्या को सुलझाओ। समस्या से भागो नहीं।

6 अंतर खोजें

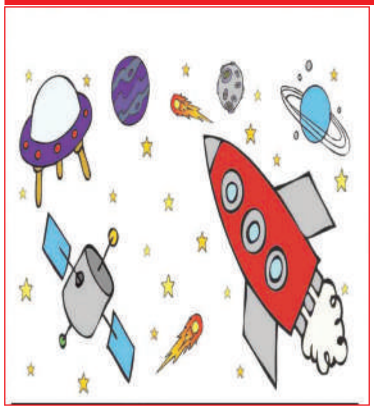

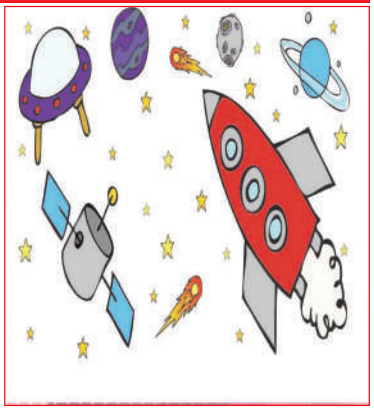

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

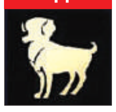

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। आज आपकी लव लाइफ में आ रही बाधा खत्म होगी। आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है। पति-पत्नि के बीच प्यार बना रहेगा।

वृषभ

आज के दिन सोच समझकर अपने जीवन में नई ताकत व स्फूर्ति लाने का प्रयास करें। रिश्तों में मधुरता लाने के प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

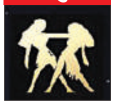

किसी दोस्त से संबंध मजबूत हो सकते हैं। आज आपका सहयोगी की ओर आकर्षण बढ़ेगा। कुछ लोग प्यार को शादी में बदलने का मन बना सकते हैं।

कर्क

पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। आज के आपको दिन भरपूर रोमांस मिलेगा। वाणी पर संयम रखें। अपने से ज्यादा उम्र वाले किसी इंसान की और आकर्षित हो सकते हैं।

सिंह

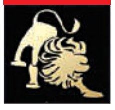

आज विवाद होने पर बात को खत्म करने की पहल करें। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। सिंगल लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कन्या

यदि आप किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं तो आज आपको खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा। पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है।

तुला

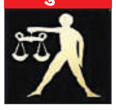

पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। किसी से आपको उपहार मिल सकता है। आज आपको कई अच्छे प्रपोजल मिल सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपकी लव लाइफ में परेशानी आ सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है। आज के दिन शुरु हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

धनु

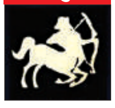

पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। आज आपकी किसी बात से पार्टनर परेशान हो सकता है। सोच-समझकर कुछ बोलें। आज ऑफिस में कार्यभार अधिक रहेगा।

मकर

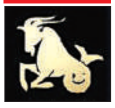

आज आप पार्टनर के साथ अपने संबंध के बारे सोचकर परेशान हो सकते हैं। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। आज के दिन आपको पार्टनर से उपहार मिल सकता है।

कुम्भ

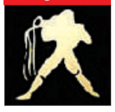

आज पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा होगा। आज आपकी लाइफ में कोई अजनबी पार्टनर आ सकती है। पार्टनर के सुख मिल सकता है।

मीन

आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। कुछ क्षेत्रों में ध्यान देने की जरूरत है। आपकी पार्टनरशिप में कोई बाधा आ सकती है। बातचीत से पहले आत्मचिन्तन करें।

बालीवुड | मन की बात

अमेरिका में मिली मुझे ज्यादा स्वतंत्रता : माधुरी

माधुरी दीक्षित इस वक्त अपनी वेब सीरीज द फेम गेम को लेकर चर्चा में हैं। ओटीटी पर हाल ही रिलीज हुई इस वेब सीरीज में माधुरी बॉलिवुड की एक सुपरस्टार के रोल में हैं। माधुरी खुद भी एक सुपरस्टार रही हैं। बीते 38 सालों में माधुरी ने ढेरों फिल्में कीं और फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया। लेकिन करियर के पीक पर माधुरी ने शादी कर ली और अमेरिका जाकर बस गईं। माधुरी जहां अमेरिका में आजादी के साथ जिंदगी जी रही थीं, वहीं स्टार स्टेटस के कारण वह इंडिया में खुलकर नहीं जी पाईं। माधुरी दीक्षित ने हाल ही दिए एक इंटरव्यू में बताया कि भारत में एक स्टार की तरह जिंदगी जीने के बाद अमेरिका में उनकी जिंदगी कैसी थी। मैगजीन को दिए इंटरव्यू में माधुरी ने बताया कि इंडिया में उनके पैरंट्स फिल्म के सेट पर साथ जाते थे और हर वक्त कम से कम 20 लोगों की टीम उनके इर्द-गिर्द रहती थी। माधुरी दीक्षित ने कहा, मेरी परवरिश बहुत ही प्रोटेक्टिव माहौल में हुई। मेरे मम्मी-पापा हमेशा मेरे साथ जाते थे। यहां तक कि जब मैं काम पर होती थी, तब भी वो साथ रहते। लेकिन जब मेरी शादी हो गई तो मैं अपने फैसले खुद लेने लगी। अमेरिका में रहने के दौरान मैंने जिंदगी के बारे में काफी कुछ सीखा। जब इंडिया में थी तो मेरे आसपास हमेशा 20 लोग रहते। लेकिन अमेरिका में मैं बहुत आजाद थी। माधुरी ने आगे कहा, मैं अपने सारे काम खुद ही करती थी। बच्चों को खुद ही घर लाती। हालांकि जरूरत के वक्त मेरी मां और सास मदद करती थीं। लेकिन जब आप बड़े होते हो तो आप काफी कुछ सीखते हो। अपने अनुभवों से सीख-सीखकर आप आगे बढ़ते हो और मैच्योर हो जाते हो। आज जब मैं कोई भी रोल प्ले करती हूं तो उन अनुभवों का इस्तेमाल करती हूं।

पृथ्वीराज को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत

दिल्ली हाईकोर्ट ने यशराज फिल्म के बैनर तले बनने वाली बहुचर्चित फिल्म पृथ्वीराज पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस मूवी में अभिनेता अक्षय कुमार भी नजर आएंगे। हाईकोर्ट ने फिल्म पृथ्वीराज का नाम बदलने से इंकार कर दिया है। याचिका में फिल्म का नाम महान शासक पृथ्वीराज चौहान करने की मांग कि गयी थी। चीफ जस्टिस डी एन पटेल और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने याचिका को खारिज करने के आदेश दिये। 10 जून को रिलीज होने वाली फिल्म इस फिल्म में एक्टर अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर लीड रोल में है। राष्ट्रीय प्रवासी परिषद ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इसके टाइटल को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि फिल्म भारत के महान योद्धा सम्राट पृथ्वीराज पर आधारित है, लेकिन फिल्म की टाइटल उनके नाम के अनुरुप नहीं है।

इसलिए नाम बदलकर महान शासक पृथ्वीराज चौहान किया जाये। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म को चन्द्र प्रकाश द्विवेदी निर्देशित कर रहे हैं। इसके निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार अलावा संजय दत्त और सोनू सूद भी अहम भूमिका में है।

बॉलीवुड | मसाला

सनी लियोन ने ऑफ शोल्डर गाउन में बिखेरे जलवे

सनी लियोन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। सनी की अदाकारी का जादू बेशक दर्शकों पर खास न चल पाया हो, लेकिन उनकी स्टाइलिश अदाओं और दिलकश अंदाज ने हमेशा ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। सनी अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर बोल्ड अवतार के कारण चर्चा में बनी रहती हैं। अब फिर से उन्होंने फैंस के साथ अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। सनी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें उन्हें ब्लू ऑफ शोल्डर गाउन पहने देखा जा सकता है। लोगों के लिए सनी की अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने लाइट मेकअप किया है। यहां सनी ने बालों को स्ट्रेट कर खुला छोड़ा है। फोटोज में सनी ने अपने कानों में ईयररिंग्स और हाथ में एक घड़ी कैरी की है। अब सनी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इंस्टाग्राम पर सनी के लाखों फैंस हैं, जो दिल खोलकर उनकी तस्वीरों को पंसद कर रहे हैं। वहीं, कमेंट्स का सिलसिला भी जारी है। सनी ने एक साथ अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें में बीच सड़क पर अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं।

सनी की मुस्कान आपका दिल जीत लेगी। उनकी अदाएं किसी के भी होश उड़ाने के लिए काफी हैं। यूजर्स ने उनके इस लुक को भी हॉट बताते हुए खूब तारीफें कर रहे हैं। इसके अलावा वह बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी काफी एक्टिव हैं। जल्द ही वह अर्जुन रामपाल की अगली फिल्म द बैटल ऑफ भीमा कोरोगांव में नजर आएंगी। इस फिल्म में उन्हें कैमियो रोल करते हुए देखा जाएगा।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे अनोखी जगह

यहां होती है सिर्फ 40 मिनट की रात 24 घंटे निकला रहता है सूरज

प्रकृति ने पूरी दुनिया में तरह-तरह के नजारे पैदा किए हैं जिनके बारे में हर कोई नहीं जानता। दिन और रात का होना निश्चित है और पूरी दुनिया के हर कोने में ये रोजाना देखने को मिलता है, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां दिन और रात भारत की तरह नहीं होते बल्कि यहां 24 घंटे सूरज निकला रहता है। हालांकि, पूरी दुनिया में न तो एक साथ रात होती है और ना ही दिन। हर स्थान पर सूरज निकलने और डूबने का वक्त अलग-अलग है। पृथ्वी पर कई ऐसे स्थान हैं जहां दिन लंबा होता है तो रातें छोटी होती है, लेकिन ऐसा भी एक देश है जहां कभी रात होती ही नहीं है। रात होती भी है तो बस कुछ मिनट के लिए।

ये बात काफी चौंकाने वाली है कि एक ऐसा भी देश है जहां सूरज बहुत कम समय के लिए डूबता है, जिसके कारण यहां बहुत कम समय के लिए रात होती है। नार्वे दुनिया के नक्शे में यूरोप महाद्वीप में स्थित एक देश है। ये महाद्वीप के उत्तर में है। उत्तरी ध्रुव के सबसे नजदीक होने के कारण ये बहुत ही ज्यादा ठंडा देश है। इस देश में बर्फीली पहा?ियां है और ये

ग्लेशियरों से भरा पड़ा है। नार्वे एक ऐसा देश है जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां कभी दिन नहीं ढलता है। जी हां, यहां बस 40 मिनट के लिए रात होती है, बाकी समय यहां सूर्य की रौशनी होती है। यहां रात 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूब जाता है और मात्र 40 मिनट के बाद उग जाता है। यहां रात के जैसे ही डेढ़ बजते हैं सुबह हो जाती है। काफी हैरत की बात है कि यह क्रम एक, दो दिन नहीं बल्कि पूरे ढाई महीने तक चलता है। नार्वे को कंट्री ऑफ मिडनाइट सन भी कहा जाता है। ये देश आर्कटिक सर्कल के अंदर आता है। यहां मई से जुलाई के बीच 76 दिनों तक सूर्य नहीं डूबता है। इसी तरह का दृश्य हेमरफेस्ट शहर में देखने को मिलता है। ये देखने में बहुत ही सुंदर लगता है। नार्वे में ही एक ऐसा देश है जहां 100 सालों से वहां सूरज की रोशनी ही नहीं पहुंची है। इसका कारण है कि ये पूरा शहर पहाड़ों से घिरा हुआ है। ये देश पर्यटकों के लिए पहली पसंद होता है।

हजारों साल पहले बनवाई गयी थी ये स्मारक आज तक नहीं चला इसे बनवाने वाले का पता

पूरी दुनिया में एक से बढ़कर एक इमारतें हैं। इनमें से कुछ को बहुत ही रहस्यमयी माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसी ही इमारत के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे हजारों साल पहले बनवाया गया था। इस इमारत को रहस्यमयी माना जाता है क्योंकि इसके बनवाने वाले का आज तक कोई पता नहीं चला। इस इमारत के बारे मे कहा जाता है कि इसे किसने बनवाया और क्यों बनवाया इससे जुड़ा कोई दस्तावेज मौजूद नहीं है। दरअसल, हम बात कर रहे है आयरलैंड के काउंटी मथ बनी एक स्मारक के बारे में। यहां एक प्रागैतिहासिक स्मारक है, जो बॉयरन नदी के उत्तर में ड्रोघेडा से आठ किलोमीटर पश्चिम में बनी हुई है। इस स्मारक को न्यूग्रेंज नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि इस स्मारक को करीब 3200 ईसा पूर्व नवपाषाण काल के दौरान बनाया गया। जो एक असाधारण भव्य स्मारक है। इस स्मारक को विश्व प्रसिद्ध स्टोनहेंज और मिस्र के पिरामिडों से भी काफी पुराना बताया जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह स्मारक स्टोनहेंज से लगभग 500 साल पुरानी है। यह रहस्यमयी स्मारक एक बड़े से गोलाकार टीले की तरह है, जिसमें एक आंतरिक पत्थर का मार्ग और कक्ष बनाया गया है। इन कक्षों में इंसानी हड्डियों के अलावा कब्र के सामान भी मिल चुके हैं। इस स्मारक की खुदाई में जली और अधजली मानव अस्थियां भी मिल चुकी हैं। जो ये दर्शाती हैं कि स्मारक के भीतर इंसानी लाशें रखी गई थीं, जिनमें से कुछ का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। लेकिन कुछ को ऐसे ही रख दिया गया होगा। कई पुरातत्वविदों का मानना है कि इस स्मारक का किसी न किसी प्रकार से धार्मिक महत्व रहा होगा। यहां शायद किसी प्रकार की पूजा होती होगी। हालांकि इस जगह का इस्तेमाल किस काम में किया जाता था और इसे किसने बनवाया, इसके बारे में अब तक किसी को भी पता नहीं चल पाया है। यानी यह अब तक एक रहस्य ही बना हुआ है। इस जगह की खोज तो बहुत पहले ही हो गई थी, जिसके बाद यहां 1962 से लेकर 1975 तक खुदाई का काम चला और इसके बारे में जानने की कोशिश की गई। इस स्मारक के एक कक्ष में 19 मीटर का एक मार्ग है, जो केवल शीतकालीन ऋतु में ही सूर्योदय के समय ही रोशन होता है।

विपक्ष की सरकारों में चलता था ट्रांसफर-पोस्टिंग का खेल : राजनाथ

रक्षामंत्री ने संतकबीरनगर में आयोजित सभा में सपा-बसपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संतकबीरनगर। जनपद के खलीलाबाद और धनघटा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सपा और बसपा की सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग का उद्योग चलता था, जो भाजपा सरकार में बंद हो चुका है। वर्ष 2017 में अर्थव्यवस्था 11 लाख करोड़ थी, जो पांच सालों में बढ़ कर 21 लाख करोड़ हो गई। यही नया भारत है। यूपी की गणना पहले बीमारु प्रदेश में होती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। विकास के पैमाने पर उत्तर प्रदेश काफी आगे बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि घर में लक्ष्मी कभी हाथी पर बैठ कर नहीं आती है और न ही साइकिल चलाकर आती हैं, लक्ष्मी जब भी आती है तो कमल के फूल पर बैठकर आती है। अब उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार नहीं, वरन ट्रिपल इंजन की सरकार चलेगी। मोदी का विजन, योगी का मिशन और जनता का

» **भाजपा सरकार में दिया जा रहा बेघरों को पक्का मकान, मुफ्त में राशन**

» **प्रदेश का हो रहा तेजी से विकास, यूपी में डबल नहीं ट्रिपल इंजन की चलेगी सरकार**

पार्टिसिपेशन होगा। इससे उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। भाजपा सरकार में लोगों को पक्का मकान मिला। डेढ़ साल में सभी छत विहीन परिवारों का पक्का मकान होगा। प्रधानमंत्री ने गरीबों को मुफ्त में गैस सिलेंडर दिया। अब होली और दिवाली पर एक-एक गैस सिलेंडर मुफ्त दिया जाएगा। 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि जब संसद में बहुमत होगा तो कश्मीर से 370 को चुटकी बजा कर खत्म कर दिया जाएगा। भाजपा ने उसे करके दिखा भी दिया। इतना हीं नहीं भाजपा ने नागरिकता कानून भी बनाया। भाजपा ने 1984 में कहा था कि हम आएंगे तो अयोध्या में राम मंदिर बनाएंगे। हमने

मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया और न्यायालय के आदेश पर अयोध्या में राम का भव्य मंदिर बन रहा है। कोविड काल से 80 करोड़ परिवारों को महीने में दो बार मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। रूस और यूक्रेन संकट पर भारत प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पहले का भारत नहीं रहा। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मस्तक ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड और हर घर नल जल योजना की खासियत बताई। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने लाचारगी जताते हुए कहा था कि विकास के लिए 100 पैसे भेजते है, तो सिर्फ 15 पैसे पहुंच पाता है, लेकिन पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार खत्म कर दिया अब लाभार्थियों के खाते में सीधे रकम पहुंचती है।

बिना भेदभाव दिया जा रहा योजनाओं का लाभ : अनुप्रिया

» **प्रदेश में बिछाया गया सड़कों का जाल, प्रचंड बहुमत से एनडीए सरकार बनाने की अपील की**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि हरैया में महापुरुषों की स्मृति में द्वार बनाकर विधायक अजय सिंह ने उनकी यादों को सजोने का कार्य किया है। पर्यटन विकास की योजनाओं से जो बदलाव शुरू हुआ है, उसे आगे जारी रखने के लिए प्रदेश में एनडीए की प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि योगी राज में सड़कों का जाल बिछा तो कानून व्यवस्था और बिजली आपूर्ति में व्यापक सुधार हुआ है। योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर जरूरमंदों तक पहुंचाया गया। खुशहाली के राह पर चल रहे उत्तर प्रदेश में अमन चैन बनाए रखने के लिए तीन मार्च को भाजपा के पक्ष में भारी मतदान करने की अपील की। केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल मंगलवार को बस्ती जिले के हर्रैया से भाजपा प्रत्याशी अजय सिंह के समर्थन में रामराज इंटर कालेज रोहदा में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा के पक्ष में आंधी चल रही है। विपक्षी दलों का गठबंधन फेल हो गया है। एनडीए गठबंधन की सरकार ने गरीबों को विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। हर गरीब को किसी न किसी योजना का लाभ जरूर मिला है। गरीबों के घर खुशहाली,युवाओं को रोजगार के साथ ही रेलमार्ग, जलमार्ग,सड़क मार्ग को लेकर बेहतर कार्य हुए हैं। पहले की सरकारों में बिजली की दुश्वारियां थी। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी भरपूर बिजली मिल रही है। हर घर को नल से जल पहुंचाने का काम किया। गोरखपुर में खाद कारखाना चालू हो गया तो दूसरा एम्स बनकर तैयार है। मुंडेरवा और पिपराइच में दो नई चीनी मिलें लगाई गई तो गन्ना किसानों का रिकॉर्ड भुगतान भी हुआ। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में जो भारतीय फंसे हैं,केंद्र में मजबूत सरकार होने के नाते ही भारतीयों को सकुशल वापस लाया जा रहा है।

कंटेनर ने सात को रौंदा, एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में जाजमऊ चेकपोस्ट पर मंगलवार शाम बेकाबू कंटेनर सात राहगीरों को रौंदते हुए डिवाइडर से जाकर टकरा गया। हादसे में एक की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए। आक्रोशित लोगों ने चालक को पकड़कर जमकर पीटा और पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

रामादेवी से उन्नाव की तरफ एक कंटेनर तेज रफ्तार में जा रहा था। जाजमऊ चेक पोस्ट से कुछ मीटर पहले कंटेनर अनियंत्रित होकर दौड़ने लगा। एक के बाद एक दो तीन ई-रिक्शा में टक्कर मारी और सात लोगों को रौंदते हुए सड़क किनारे डिवाइडर से टकराकर रुक गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने शहाबुद्दीन को मृत घोषित कर दिया। हादसे में हारुन, अजय कुमार, आजाद, अली मोहम्मद, करण और मुख्तार, जख्मी हुए हैं। कंटेनर गोरखपुर निवासी बिजेंद्र बहादुर सिंह के नाम पर रजिस्टर है।

आरएसएस के एजेंडे पर चल रही भाजपा : मायावती

» **बहुजन समाज की हो रही है उपेक्षा, प्रदेश में बढ़ी बेरोजगारी**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियां सत्ता में रहते हुए देश के विकास में रुचि नहीं लेती, बहुजन समाज का कोई ध्यान नहीं रखती। समाजवादी पार्टी ने कई महापुरुषों के नाम से रहे जनपदों का नाम बदल दिया है। समाजवादी पार्टी गुंडों की पार्टी है।

भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि यह जातिवादी, पूंजीवादी और आरएसएस के संकीर्ण एजेंडे को लागू किया है जो अपराध का वातावरण बनाता है इसलिए भाजपा को भी सत्ता में आने से रोकना होगा। आदिवासी, पिछड़े व दलितों के हित मे कोई निर्णय नहीं लिया गया, सभी

असुरक्षित महसूस करते हैं। भाजपा में उच्च वर्ग की जातियां भी उपेक्षित महसूस कर रही हैं। सरकारी नौकरियों में भर्ती नहीं करके संविदा पर प्राइवेट कार्य कराया है। रोजी-रोटी की तलाश में लोग पलायन करते रहे हैं जबकि बसपा के सरकार में रोजगार देकर पलायन को रोका गया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी और गरीबी को दूर करने के लिए बसपा की सरकार बनने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, गरीबों को पुनः पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे। नौजवान, किसान, बेरोजगार व महिलाओं का विशेष ध्यान दिया जाएगा। कानून व्यवस्था को लचर व खराब नहीं होने दिया जाएगा, किसी वर्ग का शोषण नहीं होगा। गुंडा, बदमाशों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। भाजपा सरकार में जाति व धर्म के नाम पर फंसा कर केस चलाया जा रहा है उसे खत्म कर दिया जाएगा । पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से लागू किया जाएगा। सर्वसमाज का ध्यान रखा जाएगा ।

आप की सरकार बनी तो दिल्ली मॉडल पर करेंगे यूपी का विकास : सिसोदिया

» **खाद बीज की बढ़ती कीमत ने तोड़ दी किसानों की कमर**

» **दिल्ली के उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने रोड शो में दिखाई सियासी ताकत**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को बस्ती में आयोजित रोड शो के जरिए सियासी ताकत दिखायी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में उत्तर प्रदेश के नौजवान रोजगार और छात्र शिक्षा के लिए परेशान हैं। महिलाओं को सुरक्षा की चिंता सताती है तो आम जनता महंगाई से परेशान है। खाद-बीज की बढ़ती कीमत से किसानों की कमर टूट गई है।

रुधौली विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार पुष्करादित्य सिंह के समर्थन में आयोजित रोड शो में सिसोदिया ने कहा कि

यूपी में स्कूल, अस्पताल, सड़क, पानी और बिजली की व्यवस्था बदहाल है। अगर आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो यहां भी दिल्ली की तर्ज पर सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सिसोदिया पार्टी प्रत्याशी के साथ लक्ष्मणपुर चौराहे पर रोड शो में शामिल हुए। उन्होंने बरहुआ, नारायणपुर, जिनवा, देईपार, पचमोहनी, खरहरा, सोनहा, रनेथू, बैड़वा, भानपुर, रामनगर, दुबौली, सगरा आदि स्थानों का भ्रमण भी किया। रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी और कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा।

योगी दरकिनार, मोदी ने संभाली कमान!

बीजेपी के ऑफिशियल एकाउंट से योगी के वीडियो का गायब होना बड़ा सवाल

» **4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव का रण अंतिम दौर में है। इससे पहले भाजपा के ऑफिशियल एकाउंट व यूट्यूब समेत कई जगहों से योगी के वीडियो का गायब होना बड़ी बात है। ऑफिशियल एकाउंट व यूट्यूब में मोदी हैं । योगी अब अनुउपयोगी हो गए तो ये बड़ा प्रश्न है। मोदी होंगे कामयाब या योगी होंगे अनुपयोगी इसी मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, रंजीव, हरिजिंदर और अभिषेक कुमार के साथ परिचर्चा हुई।

अशोक वानखेड़े ने कहा हर चुनाव में चौसर भाजपा बिछाती है और विपक्ष खेलता है। ममता ने मजबूर किया कि मेरे चौसर पर जनता खेले। मोदी का कैंपेनिंग, नहीं चली और परिणाम सबके सामने हैं। ठीक इसी तरह विपक्ष यूपी में कर रहा।

राष्ट्रवाद, परिवारवाद, यूक्रेन व हिंदू-मुसलमान जैसे मुद्दे नहीं चल रहे। योगीजी काम के नहीं रहे।

हरिजिंदर ने कहा पार्टी को समझ आ गया है कि योगी अनुपयोगी हो गए हैं। ऐसे में धीमे-धीमे संगठन इन्हें बाहर करने की जुगत में है। मोदी लगातार रैलियों में कह रहे नमक अदा कीजिए, मतलब साफ है कि योगी से ज्यादा मोदी उपयोगी तो केंद्र की योजनाओं को ध्यान में रखकर जनता वोट करें।

रंजीव ने कहा मोदी लोकप्रिय नेता है, मगर अब उनके भाषणों में जनता से खुद के नाम पर वोट मांगना बड़ी बात है। ऐसे में साफ है कि पांच साल की चली सरकार से जनता नाराज है। पांच चरणों में भाजपा को ऐसे संकेत मिल चुके हैं। इसी कारण रैली में आए लोग से अपील की जा रही कि मोदी के नाम पर वोट दें।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

छठे चरण में भाजपा के 81 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कल छठे चरण का मतदान होगा। इस चरण में कुल 676 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 38 प्रतिशत करोड़पति उम्मीदवार भी हैं। गोरखपुर के चिल्लूपार विधानसभा की हाट सीट से विधायक और सपा प्रत्याशी विनय शंकर तिवारी छठे चरण में सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। उन्होंने 2017 में बसपा के टिकट पर चुनाव जीता और भाजपा के राजेश त्रिपाठी को शिकस्त दी। इस बार वह हाथी से उतरकर साइकिल पर सवार हो गए हैं। छठे चरण में 670 में से 253 (38 प्रतिशत) करोड़पति उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इनमें समाजवादी पार्टी के 48 में से 45 (94 प्रतिशत), भाजपा के 52 में से 42 (81 प्रतिशत), बसपा के 57 में से 44 (77 प्रतिशत), कांग्रेस के 56 में से 26 (46 प्रतिशत) व आम आदमी पार्टी के 51 में से 14 (28 प्रतिशत) उम्मीदवार करोड़पति हैं।

सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित करने वालों में गोरखपुर की चिल्लूपार सीट से सपा उम्मीदार विनय शंकर तिवारी का नाम सबसे आगे है। उन्होंने अपनी संपत्ति 67 करोड़ रुपये बताई है। दूसरे स्थान पर अंबेडकरनगर की जलालपुर सीट से सपा प्रत्याशी राकेश पांडेय हैं, जिनकी संपत्ति 63 करोड़ रुपये है। बलिया की रसड़ा सीट बसपा उम्मीदार उमा शंकर सिंह ने अपनी संपत्ति 54 करोड़ रुपये घोषित की है। उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2.10 करोड़ रुपये है। वहीं 256 उम्मीदवारों ने अपनी देनदारी भी घोषित की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली बार गोरखपुर शहर विधानसभा से चुनाव मैदान में हैं। एमएलसी चुने जाने के दौरान उनकी संपत्ति 95.98 लाख रुपये था, जो अब बढ़कर एक करोड़ 54 लाख 94 हजार 54 रुपये हो गई है। बीते चार सालों में उनकी संपत्ति में 59 लाख रुपये का इजाफा हुआ। उनके पास एक लाख रुपये कीमत की एक रिवाल्वर और 80 हजार रुपये की रायफल है। उनके दिल्ली के खाते में 35 लाख, 24 हजार, 708 रुपये और 2 लाख 33 हजार का बीमा है। उनके कान में 49 हजार रुपये का 20 ग्राम का कुंडल, 12 हजार रुपये कीमत की 10 ग्राम रुद्राक्ष लगी सोने की माला है। उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है। उन पर कोई मुकदमा भी नहीं है।

भाजपा के 44 फीसदी प्रत्याशी आपराधिक

छठे चरण में 57 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे 27 प्रतिशत प्रत्याशियों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं, जिनके सर्वाधिक 40 प्रत्याशी सपा के हैं। 23 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी हैं, जिनके विरुद्ध आईपीसी की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इस चरण में 670 में से 182 (27 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं, इनमें 151 (23 प्रतिशत) के विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सपा के 48 में से 40 (83 प्रतिशत), भाजपा के 52 में से 23 (44 प्रतिशत), कांग्रेस के 56 में से 22 (39 प्रतिशत), बसपा के 57 में से 22 (39 प्रतिशत) तथा आप के 51 में से सात (14 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषत किये हैं। जबकि सपा के 48 में से 29 (60 प्रतिशत), भाजपा के 52 में से 20 (39 प्रतिशत), कांग्रेस के 56 में से 20 (36 प्रतिशत), बसपा के 57 में से 18 (32 प्रतिशत) व आप के 51 में से पांच (10 प्रतिशत) प्रत्याशियों के विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

यूपी चुनाव के बीच बीजेपी को बड़ा झटका

बंगाल निकाय चुनाव में भाजपा बुरी तरह हारी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी चुनाव के बीच भाजपा के लिए बुरी खबर आई है। बीजेपी को उत्तर प्रदेश में छठे और सातवें चरण के मतदान से पहले तगड़ा झटका लगा है। दरअसल पश्चिम बंगाल में 107 नगर पालिकाओं के लिए हुए चुनाव में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की है। नतीजों में ममता बनर्जी की अगुआई वाली पार्टी ने बीजेपी को काफी पीछे छोड़ दिया है।

राज्य निर्वाचन आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक टीएमसी ने अब तक 90 नगर पालिकाओं में जीत हासिल कर ली है। बाकी सीटों पर भी टीएमसी आगे चल रही है। नतीजों से बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। बीजेपी पदाधिकारियों ने इस चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और हिंसा का आरोप लगाया था। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। लेकिन इस चुनाव में बीजेपी तीसरे नंबर पर खिसक गई है। लेफ्ट फ्रंट 12 फीसदी वोटों के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं बीजेपी को सिर्फ नौ प्रतिशत वोट ही मिले हैं। अब तक घोषित हुए परिणामों में टीएमसी ने 108 में से 90 नगरपालिकाओं पर कब्जा जमा लिया है। वहीं मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी के अलावा कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। खास बात यह है कि टीएमसी को 70 प्रतिशत वोट मिले हैं। उधर लेफ्ट फ्रंट ने खाता खोल दिया है। उसे नदिया जिले की तहेरपुर नगरपालिका में जीत हासिल हुई है। खबर लिखे जाने तक भाजपा को एक भी सीट नहीं मिल सकी है।

ममता ने किया सुवेंदु अधिकारी परिवार का सफाया

30 साल में पहली बार भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी को तगड़ा झटका लगा है। टीएमसी ने सुवेंदु के गढ़ माने जाने वाले कांथी नगर पालिका के 21 में से 18 वार्डों में जीत हासिल की है। भाजपा ने दो वार्डों में जीत हासिल की है और एक वार्ड में एक निर्दलीय आगे चल रहा है। 30 वर्षों में यह पहली बार है जब कांथी नगर पालिका अधिकारी परिवार के बिना होगी।

» टीएमसी ने दर्ज की बड़ी जीत तीसरे नंबर पर खिसकी भाजपा, लोग बोले- ममता दीदी की नीति मोदी से अच्छी

प्रयागराज में ईवीएम गायब, कल पुनर्मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांचवें चरण के मतदान के दौरान प्रयागराज के हंडिया विधानसभा क्षेत्र के मानिकपुर बूथ पर ईवीएम की हेराफेरी की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने संज्ञान लिया। अब तीन मार्च यानी कल बूथ पर पुनर्मतदान होगा। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पुनर्मतदान का आदेश जारी किया। रविवार को हुए मतदान के बाद यहां की ईवीएम गायब हो गई थी। इस मामले में लापरवाह अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही करने का आदेश भी जारी हुआ है। हंडिया विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 311 प्राइमरी विद्यालय मानिकपुर में मतदान हुआ। इस बूथ पर 1058 वोटर हैं।

भाजपा नेता की धमकी, सरकार आ रही, जितनी गर्मी है सब निकाल देंगे

» अलीगढ़ में भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने दारोगा को थाने के अंदर धमकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनावी माहौल में मुख्यमंत्री योगी के गर्मी वाले बयान से लेकर विपक्षी नेताओं के चर्बी निकालने वाले बयान की खूब चर्चा है। इसी बीच भाजपा के कुछ नेता अपनी जुबान पर काबू न करते हुए अब गुंडों की बजाय पुलिसवालों को ही गर्मी और चर्बी निकालने की धमकी देते फिर रहे हैं। भाजपा के युवा मोर्चा के नेता का यह वीडियो वायरल है।

ताजा मामला अलीगढ़ के थाना जवां का है, जहां भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह लोधी ने थाने के अंदर बैठकर पहले तो घेराव किया। फिर दारोगा को ही यह कहते सुने गए कि 10 तारीख को योगी जी की सरकार आ रही है, बताए दे रहा हूं दारोगा की गर्मी निकाल देंगे हम। इसके बाद थाने पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने इस व्यवहार पर विरोध जताया।

स्वामी प्रसाद मौर्या के काफिले पर हमला, सांसद बेटी का दावा–बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें भी घेरा

» दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ दी तहरीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव के बीच कई जगह से हंगामों की खबर आम हैं। ऐसी ही घटना में कल समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार स्वामी प्रसाद मौर्या के काफिले पर कुशीनगर जिले के फाजिलनगर इलाके में हमला हुआ। हमले में कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है, लेकिन मौर्य सुरक्षित हैं।

जानकारी के मुताबिक जिस समय मौर्य का काफिला फाजिलनगर से निकल रहा था उसी बीच बीजेपी और सपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इसके बाद मारपीट और पत्थरबाजी हुई। आरोप है कि इसमें कई सपा कार्यकर्ता जख्मी हुए और कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। हालांकि इस दौरान स्वामी प्रसाद मौर्या की गाड़ी आगे निकल गई थी और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। फाजिलनगर सीट पर मौर्य का मुकाबला बीजेपी के सुरेंद्र कुशवाहा से हैं। इस घटना पर बीजेपी उम्मीदवार सुरेंद्र कुशवाहा ने कहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य अपनी हार से घबरा गए हैं और उन्होंने ही बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला करवाया है। उन्होंने दावा किया कि हमले में बीजेपी कार्यकर्ताओं की गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है, जांच जारी है।

मौर्य की बेटी ने कहा- बीजेपी को जवाब मिलेगा

इस बीच हमले को लेकर बीजेपी सासंद और स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा भले ही वह बीजेपी की कार्यकर्ता हैं लेकिन अपने पिता पर हमला बरदाश्त नहीं कर सकती। उन्होंने कहा मैं बीजेपी की सांसद, कार्यकर्ता जरूर हूं, और रहूंगी भी, लेकिन बेटी होने के नाते अपने पिता पर हुए हमले की मैं निंदा करती हूं। 3 मार्च को जब मतदान होगा तो जनता इसका कड़ा जवाब देगी। संघमित्रा मौर्य ने कहा कि यह हमला पिताजी पर नहीं बल्कि लोकतंत्र पर है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।